मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MHD–15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.–15 : हिन्दी उपन्यास—2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) मामा न यूनियनिस्ट मंत्रिमंडल से मतलब रखता था, न लीग की वजारत से। वह तो मानव था, केवल निरीह

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

मानव उसका खून मानवता का खून है। बेबस मानव का खून है। मानवता के खून की इस प्यास को कौन भड़का रहा है ?

(ख) अगर तू कानून–कायदे से मजबूर है तो खुशी इख्तियार कर और अगर तन्हा है, पाक–साफ है तो अपना रास्ता ले। उस मुल्क में खुशहाली की उम्मीद न रख जिसमें बादशाह–रियाया एक–दूसरे से नाराज हैं। ख्वाब में मुल्क को आबाद वही देखता है जो लोगों के दिल गुलजार रखता है। जुल्म से खराब–बदनामी होती है। जुल्म के जरिए रियाया को तबाह करना ठीक नहीं।

(ग) अगर काफी फुरसत हो, पूरा घर अपने अधिकार में हो, चार मित्र बैठे हों, तो निश्चित है कि घूम–फिरकर वार्ता राजनीति पर आ टिकेगी और जब राजनीति में दिलचस्पी खत्म होने लगेगी तो गोष्ठी की वार्ता 'प्रेम' पर आ टिकेगी। कम–से–कम मध्य वर्ग में तो इन दो

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

विषयों के अलावा तीसरा विषय नहीं होता। माणिक मुल्ला का दखल जितना राजनीति में था उतना ही प्रेम में था।

(घ) वैद्यजी को तब बताया गया कि हमें जनता के सामने आदर्श उपस्थित करना चाहिए। ऐसा न हुआ तो जनता का आचरण बिगड़ जायेगा। वह बिगड़ा तो पूरा देश बिगड़ेगा, वर्तमान बिगड़ेगा और भविष्य बिगड़ेगा। राम ने क्या किया था ? सीता का त्याग किया था कि नहीं, तभी हम आज तक रामराज्य को याद करते हैं। त्याग द्वारा भोग करना चाहिए। यही हमारा आदर्श है।

2. अपने युग की प्रामाणिक अभिव्यक्ति की दृष्टि से 'झूठा सच' का मूल्यांकन कीजिए। 10

3. परिवेश-चित्रण की दृष्टि से 'जिन्दगीनामा' का विश्लेषण कीजिए। 10

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. ‘सूरज का सातवाँ घोड़ा’ की चरित्र-सृष्टि पर प्रकाश डालिए। 10

5. ‘राग दरबारी’ की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) ‘राग दरबारी’ का संरचना-शिल्प

(ख) माणिक मुल्ला और कथानक

(ग) ‘जिन्दगीनामा’ में चरित्र-सृष्टि

(घ) विभाजन की राजनैतिक पृष्ठभूमि और ‘झूठा सच’

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com